एक नजर में

संपत्ति गाइड लाइन वृद्धि पर 63 क्षेत्रों से मिली आपत्ति

भोपाल. राजधानी में अचल संपत्ति की दरों में वृद्धि को लेकर गत माह बैठक हुई थी, जिसमें जिला मूल्यांकन समिति के अध्यक्ष सहित सभी सदस्य शामिल हुए थे. यहां शहर की कुछ कॉलोनियों की संपत्ति की दरों में वृद्धि पर चर्चा की गई थी. इसके लिए समिति ने कॉलोनियों के रहवासियों, जन प्रतिनिधियों, कॉलोनाइजर्स और समितियों से दावा आपत्ति बुलाए थे. लगभग एक माह में 63 आपत्तियां जिला मूल्यांकन समिति को मिली. इन आपत्तियों को लेकर बुधवार को बैठक की जाना है.

केमिस्ट की संदिग्ध हालात में मौत

भोपाल. कजलीखेड़ा थाना इलाके में रहने वाले एक केमिस्ट की संदिग्ध हालात में मौत हो गई. सोमवार तड़के बॉडी घर में मिली, परिजनों के आरोप हैं कि सिर में चोट के निशान के साथ ही मृतक के हाथ पर जलने जैसे फफोले पड़ गए हैं. पीठ में भी नील के निशान मिले हैं. इसी कारण मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है. मृतक की पत्नी बीते एक साल से उससे अलग रह रही थी. वहीं पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. पीएम के बाद सोमवार दोपहर बॉडी परिजनों को सौंप दी है. मृतक के भतीजे का आरोप है कि शरीर पर चोटों के निशान हैं, जिससे हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता. हमने पुलिस से हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है.

राजधानी में गैस सिलेंडर की किल्लत में आई कमी

फैक्ट फाइल

- गैस एजेंसी में ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने से परेशान दिखे लोग
- कई एजेंसियों में घंटों मशक्कत के बाद मिले सिलेंडर

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 16 मार्च. राजधानी भोपाल में आठ दिन बाद भी गैस सिलेंडर से आम आदमी को राहत नहीं मिल पा रही है. सोमवार को शहर में हमीदिया रोड पर स्थित नवतारण भारत गैस एजेंसी पर भीड़ देखने को मिली. यह भीड़ गैस सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग ना होने से दिखाई दे रही है. जहां प्रशासन कह रहा है कि सर्वर में सुधार हो गया है, वहीं जनता जब रिफिल बुक कर रही है तो हो नहीं रही है. इस वजह से अब जनता ऑनलाइन बुकिंग के चक्कर में ना पड़ते हुए सीधे एसेंजी पर पहुंच कर अपनी पर्ची लेने जा रही है. इसके लिए वह सुबह 9 बजे से लाइन में लग रहे हैं, जो कि पर्ची कटने से लेकर सिलेंडर मिलने तक पांच से छ: घंटे का समय लग रहा है, क्योंकि जितना समय एजेंसी पर पर्ची बनवाने के लिए लग रहा है, उससे थोड़ा कम सिलेंडर लेने के लिए लाइन लगाने में लग रहा है.

उपभोक्ताओं के लिए टेंट और कुर्सी की व्यवस्था की

नवतारण भारत गैस एजेंसी हमीदिया रोड स्थित इसरानी मार्केट में है. जो कि संकरी गली है. वहां पर एजेंसी संचालक ने टेंट और कुर्सियों की व्यवस्था कर रखी है, जिससे उपभोक्ता धूप से और खड़े रहने से राहत मिल सके. और इंतजार करने में कोई परेशानी ना हो.

घर के सारे काम छोड़कर लाइन में लगीं महिलाएं

एजेंसी पर जाकर देखा गया तो वहां पर महिलाएं कुर्सी पर बैठीं हुई और अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं. इन में मसर्रत नामक महिला से बात हुई तो उन्होंने बताया कि हम अपना घर का सारा काम छोड़कर सुबह से यहां पर बैठे हैं. वहीं जोरा बी ने बताया कि मैं बुजुर्ग हूं, लेकिन सिलेंडर के लिए सुबह से यहां पर बैठी हूं. कब नंबर आएगा पता नहीं. वहीं शिवनाथ नामक युवक ने बताया कि मैं सुबह 9 बजे से लाइन में लगा था तब तीन घंटे बाद सिलेंडर के लिए पर्ची मिली हैं. वहीं शाहरुख ने बताया कि मैं भी ऑनलाइन बुक कर रहा था, जब हुआ नहीं तब यहां आकर मशक्कत करनी पड़ी.

ऑनलाइल भुगतान करो और सिलेंडर ले जाओ

शहर की सबसे पुरानी ममता गैस एजेंसी है, जो भारत गैस की सप्लाई करती है. यह एजेंसी रायल मार्केट में ताजुल मस्जिद परिसर में स्थित है. यहां पर सुभाष नामक कर्मचारी ने बताया कि ऑनलाईन बुकिंग नहीं हो रही है, तो हमारे यहां पर उपभोक्ता को कोई समस्या नहीं आ रही है. अगर उपभोक्ता फोनपे या अन्य किसी भी माध्यम से कंपनी को अपने रजिस्टर्ड नंबर पर भुगतान करता है. उसके बाद भुगतान की कॉपी दिखाने पर हम उनको पर्ची बना कर दे देते हैं और यहीं पर पास में हमारा सिलेंडर से भरा वाहन है वहां पर उपभोक्ता को तुरंत गैस सिलेंडर दिया जाता है. हमारे यहां पर किसी को इंतजार नहीं करना पड़ता है, इसलिए भीड़ नहीं है.

फिर आया 'चूल्हा' युग

भोपाल, 16 मार्च. ईरान-इजराइल जंग के कारण घरेलू गैस सिलेंडर मिलने में परेशानी हो रही है. ऐसे में कई परिवारों ने इलेक्ट्रिक इंडक्शन का इस्तेमाल शुरू कर दिया हैं. वहीं कुछ परिवार पारंपरिक ईंधन का उपयोग कर रहे हैं. राजधानी के करबला रोड के साजिद नगर में चूल्हे पर रोटी बनाती हुईं महिलाएं.

दूसरे राज्य के रजिस्ट्रेशन पर नहीं कर सकेंगे प्रैक्टिस

नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने किए निर्देश जारी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 मार्च . मध्यप्रदेश में अब आयुर्वेद सिद्ध यूनानी और सोवा रिग्पा पद्धति के डॉक्टर दूसरे राज्यों के रजिस्ट्रेशन के आधार पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे. अब जिस राज्य में डॉक्टर कार्यरत हैं, उसी राज्य के बोर्ड परिषद से पंजीयन कराना अनिवार्य होगा.

इस संबंध में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन ने नया निर्देश जारी किया है. आयोग के अनुसार मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के चिकित्सा शिक्षकों को संबंधित राज्य के बोर्ड परिषद से स्थायी या अस्थायी पंजीयन कराना होगा. आयोग ने कई मामलों में डॉक्टरों को एक राज्य से पंजीयन लेकर दूसरे राज्यों में नियमित प्रैक्टिस करते हुए पाए जाने के बाद यह निर्णय लिया है, जिसके बाद आयोग ने इसे नियमों के विरुद्ध बताते हुए सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं.

बता दें यह आदेश नैतिकता एवं चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड के अध्यक्ष सुश्रुत कन्नौजिया ने जारी करते हुए मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हरियाणा और नई दिल्ली समेत सभी राज्यों के लिए लागू करने को कहा है. फिलहाल चिकित्सा शिक्षकों के निवेदन को देखते हुए आयोग ने अस्थायी पंजीयन का प्रावधान भी किया है, जिसके तहत दूसरे राज्य में कार्यरत शिक्षक वहां के बोर्ड से अस्थायी पंजीयन करा सकेंगे. हालांकि जब तक अस्थायी पंजीयन रहेगा, तब तक स्थायी पंजीयन की प्रक्रिया स्थगित रहेगी.

> वहीं सरकारी पदों पर आवेदन के लिए केवल स्थायी पंजीयन ही मान्य होगा. आयोग ने संबंधित राज्य बोर्ड परिषदों को निर्देश दिए हैं कि पंजीयन और सत्यापन की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न की जाए, जिससे चिकित्सा शिक्षकों को समय पर पंजीयन मिल सके.

डीएलएड द्विवर्षीय पाठ्यक्रम की मुख्य परीक्षा का टाइम टेबल जारी

2 से 23 जून तक चलेगी परीक्षा

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 मार्च. माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश ने वर्ष 2026 की डीएलएड द्विवर्षीय पाठ्यक्रम की मुख्य परीक्षा के पहले और दूसरे साल का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है.

जारी कार्यक्रम के अनुसार डीएलएड पहले साल की परीक्षा 2 जून से शुरू होकर 23 जून तक चलेगी, जिसकी शुरुआत 2 जून को बाल्यावस्था एवं बाल विकास विषय से होगी. इसी तरह डीएलएड दूसरे साल की मुख्य परीक्षा 3 जून से शुरू होकर 20 जून तक आयोजित की जाएगी. सभी परीक्षा सुबह 8 बजे से 11 बजे के बीच आयोजित की जाएगी. मंडल ने सभी संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा कार्यक्रम को संस्थान के नोटिस बोर्ड पर प्रमुख स्थान पर लगा दिया जाए, जिससे परीक्षार्थियों को समय पर जानकारी मिल सके. साथ ही संबंधित कक्षा अध्यापकों को विद्यार्थियों से उनके विषय, प्रश्न पत्र, दिनांक और समय की जानकारी लिखवाने के निर्देश भी दिए गए हैं.

आदमपुर खंती में आग से कई टन कचरा राख

नगर निगम की दमकलों ने बुझाई आग

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 16 मार्च. राजधानी के आदमपुर स्थित कचरा खंती में सोमवार को आग लग गई. तेज हवा चलने के कारण आग ने खंती में विकराल रूप धारण कर लिया. यह घटना शाम लगभग 4 बजे की बताई जा रही है.

शाम साढ़े 5 बजे तक दमकलें मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाती नजर आई. तेज हवा की वजह से आग तेजी से फैल गई और कचरे के ढेर को अपनी चपेट में ले लिया. बताया जा रहा है कि आदमपुर खंती में आरडीएफ के ढेर से अचानक धुआं निकलने लगा. जिसे वहां के कर्मचारियों ने देखने के बाद आग बुझाने और फैलने से रोकने के लिए कचरा हटाने की कोशिश की. जब आग को बुझाने में उनको सफलता मिलती दिखाई नहीं दी तो उन्होंने फायर स्टेशन को जानकारी दी. सूचना के कुछ देर बाद ही दमकल वाहन पहूंच गए और दमकल कर्मियों की मदद से आग बुझाने में सहायता की. आमदपुर खंती हो या इससे पहले भानपुर खंती थी. गर्मी की शुरुआत के साथ खंती के अलावा अन्य कचरा वाले स्थानों पर आग लगने की घटना होती हैं. यह हालात प्रतिवर्ष बनते हैं, इस वजह से यहां स्थायी तौर पर दमकलें तैनात रहती हैं.

डायल-112 ने बचाई जान

विशेष संवाददाता

भोपाल, 16 मार्च. भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में अपने घर में बेहोशी की हालत में मिले 68 वर्षीय बुजुर्ग को डायल-112 की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया.

पुलिस के अनुसार 15 मार्च को राज्य स्तरीय डायल-112 कंट्रोल रूम भोपाल को सूचना मिली कि सुभाष कॉलोनी में एक बुजुर्ग व्यक्ति बेहोश हो गए हैं और तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है. सूचना मिलते ही अशोका गार्डन क्षेत्र में तैनात डायल-112 की एफआरव्ही

वाहन को तुरंत मौके पर रवाना किया गया. मौके पर पहुँचकर प्रधान आरक्षक पुनीत शुक्ला, प्रधान आरक्षक राजवीर सिंह और पायलट पुष्पेंद्र सिंह ने पाया कि बुजुर्ग व्यक्ति घर में अकेले रहते हैं और अचानक बेहोश होकर गिर पड़े थे. कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे जवानों ने स्थानीय लोगों की मदद से खोलकर बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाला.

परीक्षा में फेल छात्रों को मिलेगा दूसरा मौका

- 10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा 7 मई से होगी शुरू

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 16 मार्च. हाल ही में आयोजित माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा बोर्ड परीक्षा में ऐसे छात्र जो किसी कारणवश अनुत्तीर्ण हो सकते हैं या उनके कम नंबर आने की संभावना है, उनके लिए मंडल ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी की दूसरी परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है.

यह परीक्षा नियमित और स्वाध्यायी दोनों प्रकार के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाएगी. नई नीति के अनुसार, बोर्ड इसे जल्दी आयोजित कर रहा है, जिससे छात्रों का समय बर्बाद न हो और वे अगली कक्षा में समय पर प्रवेश ले सकें. सभी परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच आयोजित होंगी. जारी कार्यक्रम के अनुसार कक्षा 10 वीं की द्वितीय परीक्षा 7 मई से शुरू होकर 19 मई 2026 तक चलेगी, जिसकी शुरुआत 7 मई को हिंदी विषय से होगी. इसके बाद 9 मई को उर्दू, 11 मई को गणित, 13 मई को संस्कृत, 14 मई को सामाजिक विज्ञान, 16 मई को विज्ञान और 19 मई को अंग्रेजी की परीक्षा आयोजित की जाएगी.

> इसी तरह कक्षा 12वीं की द्वितीय परीक्षा 7 मई से प्रारंभ होकर 25 मई 2026 तक चलेगी, जिसमें 8 मई को हिंदी विषय की परीक्षा होगी. मण्डल ने जारी सूचना में सभी स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा कार्यक्रम को स्कूल के नोटिस बोर्ड पर प्रमुख स्थान पर लगा दिया जाए, जिससे परीक्षार्थी आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकें. साथ ही कक्षा अध्यापकों को विद्यार्थियों से उनके विषय, प्रश्न पत्र और परीक्षा तिथि की जानकारी लिखवाने के निर्देश भी दिए गए हैं. मण्डल ने स्पष्ट किया है कि नियमित, स्वाध्यायी और दिव्यांग परीक्षार्थियों की परीक्षाएं समान तिथि और समय पर आयोजित होंगी. विद्यार्थियों को परीक्षा कार्यक्रम की पूरी जानकारी पहले से उपलब्ध कराने के लिए विशेष ध्यान रखने को कहा गया है.

पुराने शहर के कई इलाकों में जल संकट

भोपाल. भोपाल के ईदगाह हिल्स स्थित 2.50 लाख गैलन क्षमता वाले फिल्टर प्लांट और स्टोरेज टैंक को तोड़े जाने के बाद पुराने शहर के कई इलाकों में जल संकट गहराने लगा है. शाहजहांनाबाद, परी पार्क, इस्लामी गेट और नूर महल सहित आसपास के क्षेत्रों में कम दबाव और कम समय के लिए पानी की आपूर्ति हो रही है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में नगर निगम को टैंकरों के जरिए पानी सप्लाई करना पड़ रहा है. सोमवार को अल्पना तिराहा के पास हमीदिया समानांतर मार्ग पर टैंकर से पानी भरने के लिए लोगों की भीड़ देखी गई.

मागों को लेकर वन कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

मुख्य वन संरक्षक को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

भोपाल. मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच वन विभाग के बैनर तले कमचारियों की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन मुख्य वन संरक्षक कार्यालय खेल परिषद में 1 घंटे किया गया.

इस दौरान सहायक वन संरक्षक श्वेता सिंह प्रदर्शन स्थल पर पहुंची, उनको प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने पांच मांगों का ज्ञापन दिया. सहायक वन संरक्षक ने पांचो मांगों को न्यायोचित बताते हुए सात दिवस में निराकरण करने का आश्वासन दिया. प्रदर्शन में मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच अध्यक्ष अशोक पांडे,

> भोपाल वन मंडल वन विहार सीहोर, विदिशा, रायसेन, अब्दुल्लागंज राजगढ़ के वन सुरक्षा श्रमिकों को वेतन के अंतर राशि का एरियर, सुरक्षा श्रमिकों का बीमा करना, पीएफ सुविधा, समय पर वेतन भुगतान, वन सुरक्षा सैनिकों को अवकाश सुविधा, परिचय पत्र बनाने एवं शोषण विभाग प्रथा से मुक्त करना.

अरुण पांडे लाल मियां, समर्धा कमलेश साकेत, भोपाल इकाई मलखान सिंह, वन भवन हेमेंद्र सिंह कठौतिया, कमल सिंह लाहरपुरा, पदम सिंह, सरदार सिंह आदि दर्जनों सुरक्षा श्रमिक प्रदर्शन मे शामिल थे.

विरोध ▶ समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश, जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से होगा शुरू

रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्यों को प्राथमिकता से करवाएं : कलेक्टर

नवभारत संवाददता

भोपाल, 16 मार्च. कलेक्टर कार्यालय में सोमवार को समय सीमा की बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले के सभी विभागों के अधिकारी शामिल हुए. बैठक में राजधानी में गिरते भू जल स्तर को बनाए रखने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर कार्य करने के लिए जोर दिया.

जिले में भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है, इसलिए नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगा दिया है. कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि 19 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू हो रहा है, जिस पर विशेष रूप से ध्यान रखना है. अधिकारियों व कर्मचारियों

को अभियान को अच्छे से चलाना है. इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

जल सरंक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना है. उन्होंने कहा कि पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत के साथ-साथ रिचार्ज पिट एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी. इसके साथ ही जिले की जीवन दायिनी नदियों बाह्य, कोलांस सहित अन्य बडे जल स्त्रोतों के जल संरक्षण के लिए संवर्धन एवं जीर्णोद्धार की जल्द ही कार्य योजना तैयार करें.

कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण से संबंधित कार्य करवाएं. उन्होंने शासकीय कार्यालयों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण, पुरानी बावड़ियों की मरम्मत कर उन्हें पुन: उपयोग में लाने तथा पुराने जल स्त्रोतों के संरक्षण पर कार्य किया जाए. उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों तथा आमजन को अभियान से जोड़कर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए, जिससे जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़े और अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आएं. बैठक में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, एडीएम अंकुर मेश्राम, एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

कलेक्टर ने सभी नगर निगम एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि गर्मी में पेयजल व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए. पानी की आपूर्ति में किसी तरह की दिक्कत न आए. क्योंकि गर्मियों में पानी की मांग अधिक रहती है.

> पंजीकृत किसानों का सत्यापन समय पर किया जाए. उन्होंने कहा कि सभी खरीदी केंद्रों पर बारदान, तौल कांटा सहित आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र पूर्ण कर ली जाएं. गेहूं के उपार्जन, भंडारण एवं परिवहन व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए. कलेक्टर सिंह ने जिले में एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा की. कम प्रगति पर उन्होंने महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य तथा शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से शिविर आयोजित कर 14 वर्ष की सभी बेटियों का टीकाकरण करने के निर्देश दिए.

एमआईसी की बैठक में निर्णय ननि के फ्लैट की बढ़ेगी कीमतें

भोपाल, 16 मार्च. नगर निगम में मेयर इन कौंसिल (एमआईसी) की बैठक सोमवार को हुई. करीब साढ़े 3 घंटे चली बैठक में कुल 13 मुद्दों पर चर्चा की गई. नगर निगम के फ्लैट की कीमतें बढ़ाने के संबंध में भी मंजूरी दी.

वहीं, आदमपुर खंती लीगेसी वेस्ट के निपटान के लिए प्रस्ताव परिषद की बैठक में लाने का निर्णय लिया. इसमें करीब 55 करोड़ रुपए खर्च होंगे. महापौर मालती राय की अध्यक्षता में बैठक हुई. यहां निगम कमिश्नर संस्कृति जैन, एमआईसी मेंबर रविंद्र यती, राजेश हिंगोरानी, मनोज राठौर, आरके सिंह बघेल, जगदीश यादव, आनंद अग्रवाल, सुषमा बावीसा, छाया ठाकुर, जितेंद्र शुक्ला, अशोक वाणी भी मौजूद रहे. बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बाग मुगालिया परियोजना के रिक्त 71 एलआईजी आवासों के व्यय के लिए बेस प्राइस 20 लाख के स्थान पर 30 लाख रुपए किए जाने. वहीं, रिक्त 17 एमआईजी के व्यय के लिए बेस प्राइस 25 लाख के स्थान पर 36 लाख रुपए किए जाने पर चर्चा की गई.